अध्याय 5

सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस (आईटी-ईजी)

1.0 प्रस्तावना

1.1 सूचना प्रौद्योगिकी-कार्ययोजना

1.2 डीएसआईआर कार्यों का स्वचालन

1.3 उद्यम समेकन, कार्यकम कार्यान्वयन तथा ई-सर्विस डिलीवरी

1.4 कार्यालय स्वचालन समाधान, कार्य प्रवाह प्रबन्धन, रिकार्ड प्रबन्धन तथा आंकड़ा भण्डारण

1.5 डीएसआईआर वैबसाईट

1.6 इंट्रा-डीएसआईआर (इलैक्ट्रानिक वर्कडेस्क)

सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस (आईटी-ईजी)

1.0 प्रस्तावना

'सूचना प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस' (आईटी-ईजी) समूह को 10वीं योजनावधिके मध्य में विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी अवसरों के त्वरित उपयोग के सरलीकरण के लिए बनाया गया था तथा इस प्रकार इसने विभाग में सूचना प्रौद्योगिकी कार्य करने में समर्थ वातावरण उपलब्ध कराया। प्राथमिक रूप से विद्यमान कार्यविधियों और प्रक्रियाओं को नागरिक केन्द्रित रीति में परिवर्तित करने के लक्ष्य से, विभाग में सूचना प्रौद्योगिकी - ई गवर्नेंस प्रभाग राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कार्य योजना के अनुरूप ई-गवर्नेंस का कार्यान्वयन करता है। सूचना प्रौद्योगिकी - ई-गवर्नेंस प्रभाग सूचना प्रौद्योगिकी कार्य-योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान सचिवालयी आर्थिक सेवाओं के अंतर्गत एक पृथक सूचना प्रौद्योगिकी बजट शीर्ष के तहत संचालन करता है।

1.1 सूचना प्रौद्योगिकी - कार्ययोजना

विभाग में सूचना प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस गतिविधियों के लिए दसवीं योजना के दौरान समय-समय पर जारी सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नीचे दिए अनुसार एक व्यापक सूचना प्रौद्योगिकी कार्य योजना तैयार की गई है:

- अवसंरचना विकास: सभी अधिकारियों को पर्सनल कम्प्यूटर (पीसी) और अन्य आवश्यक सूचना प्रौद्योगिकी- उपकरण और साफ्टवेयर उपलब्ध कराना और उनका अनुरक्षण।
- नेटवर्किंग: लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) का उन्नयन, प्रसार और अनुरक्षण।
- कार्यालय स्वचालन: विभिन्न साफ्टवेयर अनुप्रयोगों का कार्यान्वयन जिससे न केवल आवतियों, पत्रों के निर्गम, फाइलों के संचलन का रिकार्ड रखा जाता है, बल्कि इसके नियमन में उत्तरदायित्वता, द्रुत प्रतिक्रिया और पारदर्शिता में वृद्धि होती है।
- सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण: अधिकारियों/ कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करना, जिससे उन्हें विकसित अनुप्रयोग साफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए कम्प्यूटरों पर कार्य करने के समर्थ बनाया जा सके।
- ई-रिपोर्टे: अधिनियमों, नियमों, परिपत्रों और जनता के हितार्थ और प्रासंगिक अन्य प्रकाशित सामग्रियों को इलैक्ट्रानिक रूप में परिवर्तित करना।
- डीबीटी मिशन: सीएसआईआर-एचआरडीजी, डीबीटी मिशन पोर्टल के साथ एनआरडीसी तथा सीडीसी को शामिल करते हुए डीएसआईआर की पांच स्कीमों का ऑन-लाइन एकीकरण।
- वेबसाइट: विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न नागरिक सेवाओं से सम्बद्ध डाऊनलोड योग्य प्रपत्रों और मार्गदर्शी सिद्धांतों को समाविष्ट करते हुए डीएसआईआर वैबसाइट की विषय-सामग्री को समृद्ध बनाना।
- इनट्राडीएसआईआर: इनट्राडीएसआईआर की विषय- सामग्री को विभाग के कर्मचारियों से संबंधित प्रपत्र व डाउनलोड कर सकने योग्य प्रपत्रों को सम्मलित करके समृद्ध बनाना।

1.2 डीएसआईआर कार्यों का स्वचालन

डीएसआईआर ने आवश्यक रूप से भारतीय उद्योगों को अत्याधुनिक नवप्रवर्तन उत्कृष्टता तक पहुंचने में समर्थ बनाने तथा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों के माध्यम से प्रतिस्तर्धात्मकता पर ध्यान संकेन्द्रित किया।

डीएसआईआर के भीतर सूचना प्रौद्योगिकी तथा ई-गवर्नेस (आईटी-ईजी) समूह ने डीएसआईआर के सभी संचालनों के स्वचालन तथा उद्योगों और संबंधित हितधारकों को ऑन-लाइन सेवा उपलब्ध कराने हेतु जोड़ने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित कार्य पर्यावरण तथा उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) को विकसित तथा कार्यान्वित किया है।

आकास्मिक लाभों में सूचना तथा सेवाएं खोजने तथा प्राप्त करने और प्रशासनिक ऊपरी लागतों को कम करने में लागतों प्रयासों को घटाना सम्मिलित है।

समय-समय पर ईआरपी प्रणाली का प्रयोग करने के लिए तथा सभी हितधारकों के साथ निरंतर जुडे रहने के लिए डीएसआईआर अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

1.3 उद्यम समेकन, कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा ई-सर्विस डिलिवरी

संस्थागत आर एंड डी इकाइयों, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक संगठनों, सरकारी निधीयत अनुसंधान संस्थानों को मान्यता तथा नवीकरण प्रस्तुत करने के लिए तथा उद्योगों को राजकोषीय प्रोत्साहन हेतु फॉर्म 3सीके में आवेदन प्रस्तुत करने, 3सीएम प्रमाणपत्र तैयार करने तथा फॉर्म 3सीएल में वार्षिक विवरणी प्रस्तुत करने के लिए उपयोगकर्ता हितैषी ऑनलाइन आवेदन फॉर्म विकसित किया गया है। साथ ही, उपयोगकर्ता हितैषी तथा समय प्रभावी समर्थक आवेदन अनुमोदन प्रक्रिया का विकास कर लिया गया है। विभाग में पदानुक्रम के अनुसार प्रत्येक स्कीम के लिए कार्यप्रवाह का विन्यास कर लिया गया है। प्रौद्योगिकी विकास तथा प्रदर्शन के अंतर्गत प्रस्तावों को प्रस्तुत करने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी उपलब्धकर्ताओं तथा खोजकर्ताओं के लिए निर्धारित आवेदन प्रारूप के अनुसार पेस कार्यक्रम के अंतर्गत वैब समर्थित फार्म में आवेदन के ऑनलाईन प्रस्तीकरण के लिए प्रणाली को विकसित कर लिया गया है। समय प्रभावी समर्थक आवेदन अनुमोदन प्रक्रिया को भी विकसित कर लिया गया है। प्रिज्म कार्यक्रम के अंतर्गत अनुदान नियुक्ति के लिए कार्यप्रवाह तथा समर्थक आवेदन अनुमोदन सहित निर्धारित आवेदन प्रारूप के अनुसार वैब समर्थित फार्म में आवेदन के आनलाईन प्रस्तुतीकरण के लिए प्रणाली को विकसित कर लिया गया है। स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों तथा एपीसीटीटी के मांग-अनुदान सहयोग के अंतर्गत विकसित आवेदन प्रारूप के अनुसार वैब समर्थित फार्म में आवेदन के ऑनलाईन प्रस्तुतीकरण की प्रणाली को अनुदान निमुक्ति के लिए कार्यप्रवाह तथा समर्थन आवेदन अनुमोदन सहित विकसित कर लिया गया है। आवेदन का प्रणाली में डाटा लीगेसी प्रविष्टि का प्रावधान है।

चित्र 1

चित्र 2

उपयोगकर्ताओं के बीच मुद्दों के निरंतन ट्रैकिंग के लिए एक मंच तैयार किया गया है। प्रणाली का इस्तेमाल लागस, सिस्टम रिपोर्टों तथा इलैक्ट्रानिकी ट्रेसेस एक्रास ट्रांसजैक्शन्स के माध्यम से जांच की जा सकती है।

1.4 कार्यालय स्वचालन समाधान, कार्यप्रवाह प्रबन्धन, रिकार्ड प्रबन्धन तथा आंकड़ा भंडारण

कार्यालय स्वचलन समाधान, कार्यप्रवाह प्रबन्धन, रिकार्ड प्रबन्धन, ऑकड़ा गोदाम तथा एचआर प्रबन्धन और प्रक्रिया, भंडार तथा खरीद, योजना की आवश्यकताएं, बजट तथा लेखा-परीक्षा, विद्यकान द्विभाषी वैबसाईट का पुनर्गठन तथा जैसे अतिरिक्त माड्यूलों के साथ-साथ एम-गवर्नेस अनुपालन, स्मार्ट कार्ड आधारित उपस्थिति प्रणाली, रिकार्ड कक्ष में आरएफआईडी कार्यान्वयन विकसित किए गए तथा प्रयोग किए जा रहे हैं। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, किसी भी सरकारी पर्यावरण के भीतर आवश्यकताओं की यथोचित पूर्ति तथा दावे के लिए दस्तावेज प्रबन्धन तथा व्यापार प्रक्रिया प्रबन्धन के माध्यम से मूल्य वर्धित समाधान का अभिकल्पन, विकास तथा परीक्षण किया गया।

1.5 डीएसआईआर वेबसाइट

डीएसआईआर वेबसाईट (द्विभाषी) भारत सरकार के वैबसाईट के लिए दिशानिर्देशिकाओं (जीआईजीडब्ल्यू) के अनुसार तैयार की गई। वैबसाईट को नियमित रूप से अद्यतित किया गया है तथा 6 अगस्त, 2018 से 1,20,000 से अधिक बार देखा गया।

उपयोगकर्ता जब ईआरपी पोर्टल पर लॉगईन करते हैं, तो उन्हें व्यावहारिक अनुकूली अवतरण पृष्ठ तथा उनके द्वारा

चित्र 3

चित्र 4

निष्पादित किए जाने वाले कार्यों से संबंधित लिंकों सहित इलैक्ट्रानिक डेस्कटॉप प्रस्तुत किया जाता है। डीएसआईआर की पिछली वैबसाईट स्थैतिक थी, जिसमें सीएमएस के लिए कोई प्रावधान नहीं था। आरम्भ की गई नई 'गतिक' है। इसे पुन: अभिकल्पित वैबसाईट का ग्राफिकल यूजर इंटफेस (जीयूआई) उपयोगकर्ता हितैषी तथा दिखने में समृद्ध है क्योंकि यह सर्वर स्वत: स्पष्ट ग्राफिकों का उपयोग करता है, उपयोगकर्ता को विभिन्न खण्डों के बारे में सही दिशा-निर्देश देता है। जब कभी अपेक्षित/आवश्यकता हो टूलटिप्स, मैसेजों, इमेलों इत्यादि के रूप में उपयोगकर्ता को उपयुक्त नेवीगेशन सहायता प्रदान करता है।

1.6 इंट्रा-डीएसआईआर (इलेक्ट्रॉनिक वर्कडेस्क)

इंट्राडीएसआईआर (इलेक्ट्रॉनिक वर्कडेस्क) सृजित की गई, ताकि डीएसआईआर के सभी कर्मचारी के साथ-साथ डीएसआईआर के सभी कर्मचारियों का इलैक्ट्रानिक वर्कडेस्क एक-दूसरे के साथ संचार के यूजरनेम तथा पासवर्ड के माध्यम से पहुंच बना सकें। कर्मचारी उसे सौंपी गई गतिविधियों का निष्पादन कर सके। कर्मचारी अपनी भूमिका को शुरू करने की सुविधा रखता है (यदि उसके पास बहुविद्व कार्य हैं) तथा इन-ट्रे कार्यों का निष्पादन करता है और उसकी आउट-ट्रे में दर्शाए गए सभी कार्य पूर्ण करता है। कर्मचारी के पास मेडीकल क्लेम, एलटीसी, अवकाश, जीपीएफ, एसीआर सूचना इत्यादि जैसी स्वत: सेवाओं तक ऑनलाईन पहुंच है।

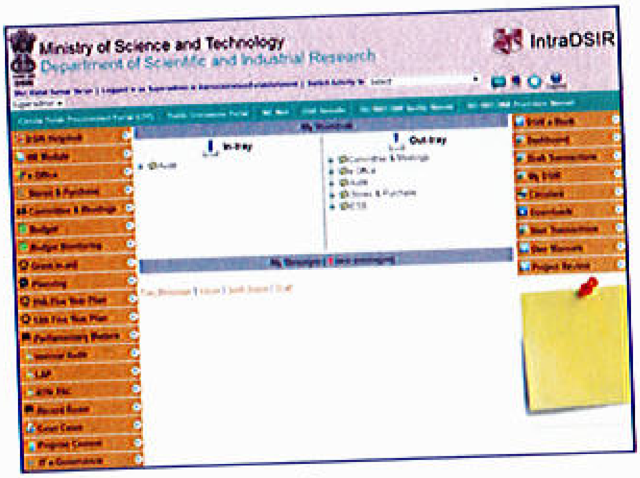

चित्र 5

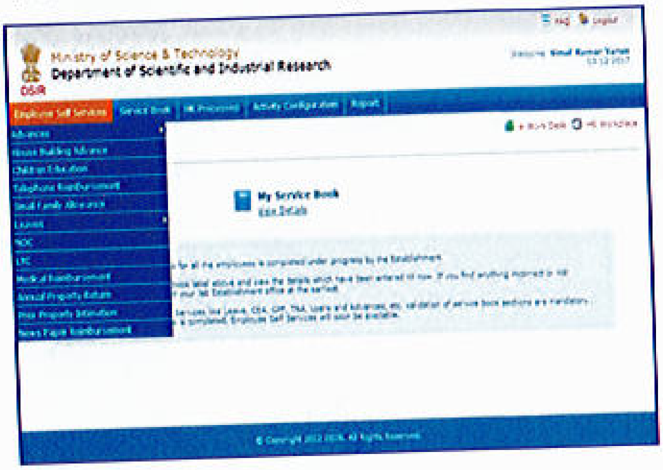

चित्र 6